# विषय-सूची


| पाठः | विषयाः | पृष्ठांकाः |
|---|---|---|
| प्रथमः पाठः | श्री कृष्ण-वंदना | 5 |
| द्वितीयः पाठः | बुद्धिर्यस्य बलं तस्य | 7 |
| तृतीयः पाठः | गुरुभक्तः शिवाजीवः | 11 |
| चतुर्थः पाठः | अमृतमिव गंगाजलम् | 14 |
| पंचमः पाठः | चाणक्य-नीतिः | 18 |
| षष्ठः पाठः | महर्षि मेँहीँ-चरितम् | 20 |
| सप्तमः पाठः | प्रहेलिकाः | 25 |
| अष्टमः पाठः | विजयादशमी | 28 |
| नवमः पाठः | निरर्थकं विभाजनं न कुर्यात् | 31 |
| | आदर्श प्रश्नपत्रम् –I | 34 |
| दशमः पाठः | सुभाषितानि | 35 |
| एकादशः पाठः | मकर-मर्कट कथा | 37 |
| द्वादशः पाठः | वृद्धव्याघ्रः पथिकश्च | 40 |
| त्रयोदशः पाठः | आहार-परिचर्या | 43 |
| चतुर्दशः पाठः | भारतस्य प्रमुख तीर्थस्थलानि | 46 |
| पंचदशः पाठः | दिवसादि-परिचयः | 50 |
| षोडशः पाठः | पञ्च-महिमा | 52 |
| सप्तदशः पाठः | प्रासंगिकं व्याकरणम् | 54 |
| | आदर्श प्रश्नपत्रम् –II | 56 |

EDITONE INTERNATIONAL

1

# श्रीकृष्ण - वंदना

## (Shri Krishna's Prayer)

मेघस्वरूपं मुरलीगृहीतं,
पांशौ यशोदाभवने लुठन्तम्।

प्रफुल्लवक्त्रे नवनीतलग्नं,
ब्रजे भ्रमन्तं प्रणमामि कृष्णम्।।

नमामिब्रजेशं मुरारिं सुकृष्णम्,
मुकुन्दं विभुं व्यापकं अच्युतेशम्।

हरिं चक्रपाणिं गिरिं धारयन्तम्,
सुदामासखायं निरीहं स्मरामि।।

**–जगदीश प्रसाद यादव 'भैया जी'**

## शब्दार्थाः

| | | |
|---|---|---|
| पांशौ | = | धूल में (in the dust) |
| मुरलीगृहीतं | = | बंशी पकड़े हुए (Having the flute) |
| लुठन्तं | = | लोटते हुए (frowning) |
| प्रफुल्लवदने | = | प्रसन्नमुख में (smiling face) |
| वक्त्रे नवनीतलग्नं | = | चेहरे पर मक्खन लपेटे हुए (Having butter on face) |
| भ्रमन्तं | = | घूमते हुए (Walking) |
| निरीहं | = | इच्छारहित (desireless) |
| स्मरामि | = | स्मरण करता हूँ (Remember) |

## अभ्यास (Exercise)

1. 'श्री कृष्ण वन्दना' किसकी रचना है?

   (Whose work is 'Sri Krishna-Vandana?)
2. श्रीकृष्ण का पालन-पोषण किसने किया?

   (Who brought up Sri Krishna?)
3. श्रीकृष्ण के परममित्र कौन थे?

   (Who was the bosom friend of Sri Krishna.)
4. प्रस्तुत पाठ से श्रीकृष्ण के पाँच नाम चुनकर लिखें।

   (Write five other names of Sri Krishna from this lesson.)
5. श्रीकृष्ण जी के बारे में हिन्दी या अंग्रेजी में पाँच वाक्य लिखें।

   (Write five sentences in Hindi or English about Lord Krishna.)

### शिक्षक निर्देश

शिक्षक महोदय को भी कृष्ण द्वारा दी गई शिक्षाओं के बारे में बच्चो को बताना चाहिए।
(The teacher should tell the boys about Sri Krishna's teachings.)

EDITIONE INTERNATIONAL

2

# बुद्धिर्यस्य बलं तस्य

## (Those Having Wisdom Have Power)

कस्मिंश्चित् वने बहुविधाः पशवः निवसन्ति स्म। भासुरकनामा एकः भयंकरः शक्तिशाली च सिंहः अपि तस्मिन्नेव वने वसति स्म। सः सिंहः स्वेच्छया वनस्य पशून् हत्वा खादति स्म। सिंहस्य अत्याचारेण सर्वे पशवः भीताः चिन्तिताः च अभवन्।

एकदा वनस्य सर्वे पशवः मिलित्वा विचारं अकुर्वन् यत्-अस्मिन् वने कोऽपि प्राणी सुरक्षितः नास्ति। कस्य मृत्युः

कदा भविष्यति–कोऽपि न जानाति। अतः अस्मात् भयात् त्रातुं प्रतिदिनं एकैकः पशुः सिंहस्य भोजनाय स्वयं गच्छेत्। सर्वे पशवः इमं विचारं सिंहस्य सम्मुखे अस्थापयन्। सिंहः अपि अनेन विचारेण प्रभावितः अभवत् 'आम्' च इति अकथयत्।

अथ च, नित्यं एकः पशुः सिंहस्य भोजनकाले तस्य पार्श्वे नित्यं गन्तुं आरभत्। कस्मिंश्चित् दिवसे एकस्य शशकस्य वारः आसीत्। सः सिंहस्य समीपं गच्छन् विचारयति स्म यत् अस्मात् सिंहात् सर्वेषां वन्यपशूनां रक्षणं कथं भवेत्? एवं विचारं कुर्वन् सः विलम्बेन सिंहस्य समीपं अगच्छत्। तं लघुकायं विलम्बेन च आगतं शशकं दृष्ट्वा सः बुभुक्षितः सिंहः अति क्रोधितः अभवत्। शशकं च अपृच्छत्–रे दुष्ट! त्वं विलम्बेन किमर्थं आगच्छः? सः बुद्धिमान् शशकः प्रत्युवाच यत्–महाराज! नात्र मम दोषः। मार्गे एकः अन्यः सिंहः मां अधरत्। यदा अहं भवतः विषये तं निवेदयामास तु असौ दुष्टः भवते अपि अपशब्दं वदितुं आरभत्।

एतत् श्रुत्वा सः सिंहः अति क्रोधितो भूत्वा शशकं अवदत् यत् त्वं मां तं दुष्टं दर्शय। अहं तं मारयिष्यामि। शशकः सिंहेन सह चलितवान्। किञ्चित् दूरं चलित्वा शशकः एकस्य कूपस्य समीपं तं सिंहं अनयत् अवदत् च – हे राजन्! अस्यां एव गुहायां असौ दुष्टः वसति। क्रोधितः सिंहः यदा कूपे अपश्यत् तु तत्र कूपजले तस्यैव प्रतिबिम्बं आसीत्। सः तत् प्रतिबिम्बं विलोक्य अबोधयत् यत् कूपे अपरः सिंहः अस्ति। यदा सः कुपितः सिंहः अगर्जत् तदा कूपात् अपि प्रतिध्वनिः अभवत्। तां गर्जनारूपां प्रतिध्वनिं श्रुत्वा तस्य सिंहस्य क्रोधः अवर्द्धयत्, अन्यं च सिंहं हन्तुं सः कूपे अकूर्दत्, कूपे कूर्दिते सः मृतः। एवं शशकः स्वतीव्रमत्या सर्वेषां पशूनां रक्षणं अकरोत्। सत्यमेव उक्तं यत् – "बुद्धिर्यस्य बलं तस्य।"

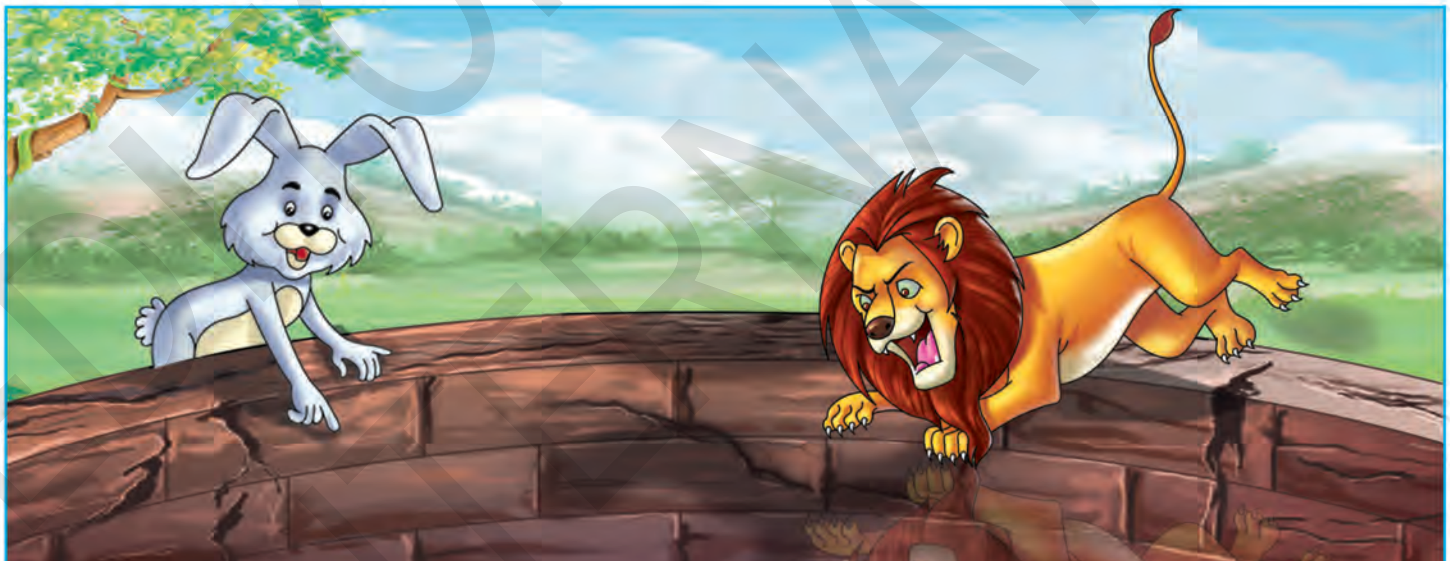

## शब्दार्थाः

| | | |
|---|---|---|
| बहुविधाः | = | बहुत तरह के (several types of) |
| स्वेच्छया-( स्व + इच्छया ) | = | अपनी इच्छा से (His own desire) |
| नास्ति-( न + अस्ति ) | = | नहीं है (no body is) |
| आम् | = | हाँ (Yes) |
| वारः | = | बारी (turn) |
| लघुकायं | = | छोटे शरीरवाले को (of small body) |
| नात्र - ( न + अत्र ) | = | यहाँ / इसमें नहीं (not here) |
| गुहायाम् | = | गुफा में (in the cave) |
| प्रतिबिम्बं | = | परछाई (shadow) |

## अभ्यास (Exercise)

**1. संस्कृत में उत्तर दें– (Answer in Sanskrit.)**

(क) सिंहः कुत्र वसति स्म?

(ख) शशकः कीदृशः आसीत्?

(ग) कूपे सिंहः किं अपश्यत्?

(घ) वने के वसन्ति?

(ङ) सिंहः कथं मृतः?

**2. निम्नलिखित शब्दों से संस्कृत में वाक्य बनाएँ– (Make sentences of the following words.)**

(क) एकदा

(ख) कूपे

(ग) समीपम्

(घ) सः

(ङ) मृतः

**3. इन शब्दों के सुमेल करें– (Match the following words with the appropriate words.)**

(क) सिंहः 1. भीताः

EDITONE INTERNATIONAL

| | |
|---|---|
| (ख) शशकः | 2. बलम् |
| (ग) विचारं | 3. अकुर्वन् |
| (घ) बुद्धिः | 4. लघुकायः |
| (ङ) पशवः | 5. भयंकरः |

**4. हिन्दी या अंग्रेजी में अनुवाद करें– (Translate into Hindi or English.)**

(क) सिंहः भयंकरः आसीत्।

(ख) सिंहः वनस्य राजा भवति।

(ग) शशकः एकः लघुः प्राणी भवति।

(घ) सिंहः कूपे कूर्दित्वा अम्रियत्।

(ङ) बुद्धिर्यस्य बलं तस्य।

**5. संस्कृत में अनुवाद करें– (Translate into Sanskrit.)**

(क) जंगल का राजा बूढ़ा हो गया था।

(ख) जानवरों ने क्या योजना बनाई?

(ग) खरगोश बुद्धिमान था।

(घ) खरगोश ने शेर को कुएँ के पास बुलाया।

(ङ) शेर ने अपनी परछाई देखकर कुएँ में छलांग मार दी।

**6. रिक्त स्थानों को उचित शब्दों से भरें– (Fill in the blanks with the suitable words).**

(क) अस्मिन् वने ...................... प्राणी सुरक्षितः नास्ति।

(ख) कस्मिंश्चित् दिवसे एकस्य शशकस्य ...................... आयातः।

(ग) अहं ...................... मारयिष्यामि।

(घ) बुद्धिर्यस्य ...................... तस्य।

(ङ) कूपे ...................... सः मृतः।

**शिक्षक निर्देश**

शिक्षक महोदय अन्य कथाओं के उद्धरण देते हुए बताएँ कि बल से बुद्धि बड़ी होती है।
(The teacher should tell giving other example that Wisdom is greater than power).